समाज कार्य में स्नातक उपाधि

(बीएसडब्ल्यू–द्वितीय वर्ष)

सत्रीय कार्य : 2021—2022

पाठ्यक्रम शीर्षक

बीएसडब्ल्यूई-002 : व्यक्तियों और समूहों के साथ समाज कार्य अंतःक्षेप

बीएसडब्ल्यूई-004 : परिवार जीवन शिक्षा का परिचय

अध्ययन केंद्र में सत्रीय कार्य जमा कराने की अन्तिम तारीखः
जुलाई, 2021 सत्र–मार्च 31,2022
जनवरी, 2022 सत्र–सितम्बर 30,2022

इग्नू
जन-जन का
विश्वविद्यालय

समाज कार्य विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068

प्रिय शिक्षार्थी,

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के बीएसडब्ल्यू कार्यक्रम में आपका स्वागत है। आपने समाज कार्य में स्नातक होने के लिए यह कार्यक्रम एक उद्देश्य के साथ चुना है ताकि आप हमारी मानवजाति की सामाजिक दशाएं सुधारने के लिए अपनी योग्यता प्रमाणित कर सकें। बीएसडब्ल्यू कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए, कृपया निम्नलिखित बातों का पालन करें:

- अपना अध्ययन आरंभ करने से पहले कार्यक्रम दर्शिका को पढ़िए। इससे इग्नू के बी.एस.डब्ल्यू. अध्ययन करने के बारे में आपके अधिकतर संदेह दूर हो जाएंगे।
- आप अपने सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र में समय पर जमा कराएं।
- अपने अध्ययन केंद्र और क्षेत्रीय केंद्र के संपर्क में रहें।
- परीक्षा फार्म समय पर भरें।

बीएसडब्ल्यू द्वितीय वर्ष के लिए आपको बीएसडब्ल्यूई 002,बीएसडब्ल्यूई 004 और अन्य आधार पाठ्यक्रम के लिए प्रत्येक का एक–एक अध्यापक जांच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना होगा।

सत्रीय कार्य एक खुली किताब है और हम इग्नू में प्रत्येक पाठ्यक्रम के समग्र ग्रेड की गणना करते समय सत्रीय कार्यों के लिए 30%भारित देते हैं। **सत्रीय कार्य हस्तलिखित और स्वहस्ताक्षरित होने चाहिए**। सत्रीय कार्य–प्रतिक्रिया का एक अच्छा सेट तैयार करने के लिए आप उन सभी अध्यायों को पढ़े जिनमें से सवाल तैयार किए गए हैं। आप अपने सहकर्मी शैक्षिक परामर्शदाताओं और प्रोफेसरों के साथ चर्चा करे जिन्होंने आपको पढ़ाया है। मसौदा तैयार करे, उस पर आवश्यक सुधार करे और तब अंतिम संस्करण अध्ययन केंद्र में प्रस्तुत करने के लिए तैयार करें।

हर सवाल का जवाब देने के लिए नया पृष्ठ शुरू करें। लंबे और मध्यम जवाब देने के लिए यह सुनिश्चित करें कि इसमें एक परिचय है, मुख्य भाग के लिए एक उप–शीर्षक और एक निष्कर्ष हो। प्रत्येक अनुच्छेद के बीच एक लाईन छोड़े। आपके जवाब विशिष्ट हों और आपके अपने शब्दों में हो यह किताब की नकल ना हो। आपके उत्तर इग्नू के पठन सामग्री पर आधारित हों। सत्रीय कार्य आपके सत्रांत परीक्षा की तैयारी है, इसलिए इसे गंभीरतापूर्वक लें।

(डॉ.सायन्तनी गुइन)
कार्यक्रम संयोजक
email:sayantaniguin@ignou.ac.in
Ph: 011–29571697

व्यक्तियों और समूहों के साथ समाज कार्य अंतःक्षेप
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : बीएसडब्ल्यूई– 002
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **500** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) सामाजिक वैयक्तिक कार्य के विभिन्न विद्यालयों का वर्णन कीजिए। 20

अथवा

पश्चिम और भारत में सामाजिक वैयक्तिक कार्य के इतिहास का पता लगाएँ। 20

2) एक सामाजिक व्यवस्था के रूप में समुदाय की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

भारत की कुछ समकालीन सामाजिक समस्याओं पर एक निबंध लिखिए। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **300** शब्दों में) दीजिएः

क) उपयुक्त उदाहरणों के साथ विभिन्न प्रकार के वैयक्तिक कार्य हस्तक्षेप पर चर्चा करें। 10

ख) समूह कार्य अभ्यास में अंतर्निहित विभिन्न सिद्धांतों का वर्णन करें। 10

ग) स्वास्थ्य देखभाल टीम में सामाजिक कार्यकर्ता की भूमिका पर प्रकाश डालिए। 10

घ) विकास और अल्पविकास के बीच संबंध को स्पष्ट कीजिए। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **150** शब्दों में) दीजिएः

क) केस रिकॉर्डिंग के सिद्धांतों की रूपरेखा तैयार करें। 5

ख) समूह निर्माण को प्रभावित करने वाले कारकों का वर्णन कीजिए। 5

ग) शैक्षिक क्षेत्र में सामाजिक कार्य का उद्देश्य क्या है? 5

घ) राष्ट्रीय महिला आयोग के अधिदेश पर प्रकाश डालिए। 5

ङ) वृद्धों के लिए सेवाओं में सामाजिक कार्यकर्ताओं की भूमिका पर चर्चा करें। 5

च) विभिन्न प्रकार के अपराधों की गणना कीजिए। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (लगभग **100** शब्दों में) लिखिएः

क) लेन–देन संबंधी विश्लेषण 4

ख) FIR 4

ग) सहानुभूति 4

घ) जनजातीय समुदाय की समस्याएं 4

ङ) किशोर अपराध 4

च) पूंजीवाद 4

छ) वैवाहिक परामर्श 4

ज) उदार दृष्टिकोण 4

परिवार जीवन शिक्षा का परिचय
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : बीएसडब्ल्यूई– 004
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **500** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) पारिवारिक जीवन शिक्षा प्रदान करने में घर की भूमिका के बारे में लिखिए। 20

अथवा

बाल्यावस्था के विकासात्मक पहलुओं का पता लगाएँ। 20

2) परिवार नियोजन क्या है? परिवार नियोजन की किन्हीं तीन विधियों की व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

क्या आज भी दहेज प्रथा प्रचलित है? दहेज निषेध अधिनियम, 1961 की विवेचना कीजिए। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **300** शब्दों में) दीजिएः

क) क्या यौन स्वास्थ्य शिक्षा महत्वपूर्ण है? क्यों? 10

ख) अंतर–धार्मिक विवाह क्या है? किसी एक का वर्णन कीजिए। 10

ग) बदलते समाज में युवाओं के लिए विभिन्न चुनौतियाँ क्या होंगी? 10

घ) विशेष विवाह अधिनियम, 1954 के बारे में संक्षेप में लिखें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **150** शब्दों में) दीजिएः

क) एकल परिवार के विकास के पीछे क्या कारण हैं? 5

ख) नियोजित पितृत्व के बारे में लिखिए। 5

ग) विवाह के विभिन्न चरणों में भूमिका परिवर्तन होते हैं। उनमें से किन्हीं 3 की चर्चा कीजिए। 5

घ) युवाओं को एक सामाजिक निर्माण के रूप में संक्षेप में समझाइए। 5

ङ) लैंगिकता के पुरुषीकरण से आप क्या समझते हैं? 5

च) हिंदू आश्रमों का संक्षिप्त विवरण दें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (लगभग **100** शब्दों में) लिखिएः

क) ईडिपस संघर्ष 4

ख) युवाओं पर मीडिया का नकारात्मक प्रभाव 4

ग) गर्भाशय

घ) परिवार परिवर्तन की मूल इकाई के रूप में 4

ङ) जिम्मेदार पितृत्व के पहलू 4

च) आपसी सहमति से तलाक 4

छ) समाजीकरण 4

ज) परिवार 4